D.O.NO. PPS-HG-4712-2020

Acharya Devvrat
Governor, Gujarat
Gandhinagar-382021

आचार्य देवव्रत
राज्यपाल, गुजरात
गांधीनगर-३८२०२१

7 NOV 2020

माननीय उप-कुलपति महोदय,

विषय: - गुजरात के विश्वविद्यालयों में जल संचयन और जल प्रबंधन व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करना

आप सभी को सुविदित है कि केंद्र सरकार द्वारा स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं जल संरक्षण को लेकर विश्वविद्यालयों की सक्रिय भागीदारी की परिकल्पना की गई है, जो विकास की राष्ट्रीय प्रमुख आवश्यकताओं में से एक है।

राष्ट्रीय जल मिशन, जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में जल संरक्षण और जल प्रबंधन और जल संसाधन विकास के कार्यों को बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत "Catch the rain, where it falls, when it falls" के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए Rain Water Harvesting Structure के निर्माण करने की बात पर बल दिया गया है।

इस राष्ट्रीय प्राथमिकता के अनुरूप, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में कार्यरत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद द्वारा यूनिवर्सिटी परिसर में जल संग्रहण के कामों के कार्यान्वयन के संदर्भ में "जल शक्ति कैम्पस" तथा "जल शक्ति ग्राम और स्वच्छ परिसर" नामक दो सूचना संग्रह "Manuals" तैयार किए गए थे, जिसका विमोचन राजभवन में 5 अक्टूबर, 2019 को राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के उप-कुलपतियों की उपस्थिति में मैंने किया था। इस कार्यक्रम में राज्य के माननीय शिक्षा मंत्री जी तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। उस वक्त आप सभी से यह अपील की गई थी कि आपके विश्वविद्यालय के परिसर में भी इस उपलक्ष्य में आप जरूरी विचार-विमर्श करके एक कार्ययोजना बनाएँ तथा यथासंभव Rain Water Harvesting Structure का निर्माण करें।

हमारे प्रायः सभी विश्वविद्यालयों के पास बड़े परिसर हैं, जहां पर्यावरण के अनुकूल Eco-Systems विकसित करने की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं और जहां एक विशेष कार्ययोजना बनाकर अपने परिसरों में जल संरक्षण के उपायों को बढ़ावा देने के काम हो सकते हैं।

इस संदर्भ में श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी, आदरणीय जल शक्ति मंत्री, भारत सरकार की ओर से मुझे एक अर्ध-शासकीय पत्र प्राप्त हुआ है, जो आपके अवलोकन हेतु मैं इस परिपत्र के साथ प्रेषित कर रहा हूँ।

आपके कुशल नेतृत्व में अक्टूबर, 2019 में राजभवन में आयोजित कार्यक्रम के उपलक्ष्य में अपने विश्वविद्यालय में भी आपने इस दिशा में कुछ उल्लेखनीय कार्य अवश्य ही किए होंगे तथा ठोस कदम भी उठाए होंगे। इस संबंध में आपने कोई भावी आयोजन भी निश्चित रूप से किया होगा।

इन विषयों के संदर्भ में आपके विश्वविद्यालय में क्या हो रहा है, इसके बारे में मुझे भलीभाँति अवगत कराने का आप कष्ट करेंगे तो मुझे प्रसन्नता होगी।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(आचार्य देवव्रत)

To,

Circular D.O. sent to all the Vice-Chancellors of State-funded as well as the private universities in the State as per the attached list.